Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Bharatiya Jyotish

Folder No.	002676
Granth Name	Bharatiya Jyotish
Author	Nemichandra Jyotishacharya
Publisher	Bharatiya Gyanpith
Edition	9
Year	1981
Pages	534

भारतीय ज्योतिष

फोल्डर नं.	००२६७६
ग्रन्थ	भारतीय ज्योतिष
मूल	नेमिचन्द्र ज्योतिषाचार्य
प्रकाशक	भारतीय ज्ञानपीठ
आवृत्ति	९
प्रकाशन वर्ष	१९८१
पृष्ठ	५३४

मुख्य टाईटल
अपनी बात ---------- ३
विषयसूची
प्रथमाध्याय
- व्युत्पत्त्यर्थ ---------- ३
- भारतीय ज्योतिशास्त्र की परिभाषा और उसका क्रमिक विकास ---------- ४
- होरा ---------- ५
- गणित या सिद्धान्त ---------- ५
- संहिता ---------- ६
- प्रश्नशास्त्र ---------- ६
- शकुन ---------- ७
- ज्योतिष का उद्भव स्थान और काल ---------- ७
- भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता पर विदेशी विद्वानों के अभिमत ---------- ११
- मानव जीवन और भारतीय ज्योतिष ---------- १४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भारतीय ज्योतिष का रहस्य -- २०
ज्योतिष की उपयोगिता --- २७
भारतीय ज्योतिष का कालवर्गीकरण -- ३०
अन्धकारकाल (ई. पू. १०००० के पहले का समय) -- ३१
उदयकाल (ई. पू. १०००० ई. पू. ५०० तक)-- ३६
उदयकालीन ज्योतिष – सिद्धान्त -- ३७
मासविचार -- ३८
ऋतुविचार --- ३८
अयनविचार --- ४०
वर्षविचार --- ४१
युगविचार --- ४२
ग्रहकक्षा विचार --- ४४
नक्षत्रविचार -- ४६
ग्रहविचार -- ५०
राशिविचार -- ५२
ग्रहणविचार -- ५३
विषुव और दिनवृद्धि का विचार -- ५३
आदिकाल (ई. पू. ५०० ई. ५०० तक) का सामान्य परिचय ----------------------------------- ५४
आदिकाल प्रमुख ग्रन्थ और ग्रन्थकारों का परिचय -- ५९
ऋकज्योतिष -- ५९
यजु और अथर्वज्योतिष --- ६२
सूर्यप्रज्ञप्ति --- ६३
चन्द्रप्रज्ञप्ति -- ६५
ज्योतिष्करण्डक -- ६६
कल्पसूत्र, निरुक्त और व्याकरण में ज्योतिष चर्चा --- ६७
स्मृति एवं महाभारत की ज्योतिषचर्चा -- ६७
वशिष्ठसिद्धान्त --- ७०
रोमकसिद्धान्त -- ७०
पौलिशसिद्धान्त -- ७१
सूर्यसिद्धान्त --- ७१
पराशर --- ७२
ऋषिपुत्र --- ७४
आर्यभट्ट प्रथम -- ७६
अंगविज्जा --- ७७
कालकाचार्य --- ७९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

द्वितीय आर्यभट्ट -- ८०
लल्लाचार्य -- ८०
पूर्वमध्यकाल (ई. ५०१-१००० तक) सामान्य परिचय -- ८१
फलित ज्योतिष -- ८३
प्रमुख ज्योतिर्विद और उनके ग्रन्थों का परिचय --- ८८
वराहमिहिर -- ८८
कल्याणवर्मा -- ८९
ब्रह्मगुप्त -- ८९
मुंजाल -- ९०
महावीराचार्य -- ९०
भट्टोत्पल -- ९१
चन्द्रसेन -- ९१
श्रीपति -- ९२
श्रीधर -- ९२
भट्टवोसरि -- ९३
उत्तर मध्यकाल (ई. १००१-१६००) सामान्य परिचय -- ९३
रमल -- ९६
मुहूर्त -- ९७
शकुनशास्त्र -- ९७
उत्तर मध्यकाल के ग्रन्थ और ग्रन्थकारों का परिचय -- ९७
भास्कराचार्य -- ९८
दुर्गदेव -- ९८
उदयप्रभवेद -- ९९
मल्लिषेण -- १००
राजादित्य -- १००
बल्लालसेन -- १००
पद्मप्रभसूरि -- १०१
नरचन्द्र उपाध्याय -- १०१
अट्ठकवि या अर्हदास -- १०२
महेन्द्रसूरि-- १०२
मकरन्द -- १०३
केशव -- १०३
गणेश-- १०३
ढुण्ढिराज -- १०४
नीलकण्ठ -- १०४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

रामदैवज्ञ -- १०४
मल्लारि -- १०५
नारायण -- १०५
रंगनाथ -- १०५
अर्वाचीनकाल (ई. १६०१-१९५१) सामान्य परिचय --- १०६
आधुनिक काल या अर्वाचीन प्रमुख ज्योतिर्विदों का परिचय ---------------------------------- १०७
मुनीश्वर -- १०७
दिवाकर -- १०८
कमलाकर भट्‌ट -- १०८
नित्यानन्द -- १०८
महिमोदय -- १०८
मेंघविजयगणि -- १०९
उभयकुशल -- १०९
लब्धिचन्द्रगणि -- १०९
बाघजी मुनि -- १०९
यशल्वतसागर -- १०९
जगन्ननाथ सम्राट -- ११०
बापूदेव शास्त्री -- ११०
नीलाम्बर झा -- ११०
सामन्त चन्द्रशेखर -- ११०
सुधाकर द्विवेदी -- १११
समीक्षा -- १११
द्वितीयाध्याय
भारतीय ज्योतिष के सिद्धान्त --- ११३
तिथि परिभाषा, स्वामी एवं संज्ञाएँ --- ११३
नक्षत्र स्वरुप, स्वामी एवं संज्ञाएँ --- ११५
योग स्वरुप और स्वामी --- ११७
करण स्वरुप और संज्ञाएँ --- ११८
वार स्वरुप और संज्ञाएँ --- ११९
नक्षत्रों के चरणाक्षर --- १२०
अक्षरानुसार राशिज्ञान --- १२१
राशियों का परिचय -- १२१
राशिस्वरुप का प्रयोजन, शत्रुता – मित्रता – स्वामी और अंगविभाग ------------------------ १२३
चरसारणी -- १२४
आवश्यक परिभाषाएँ -- १२८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जातक जन्म – पन्न – निर्माण गणित ---------- १२८
स्थानीय सूर्योदय निकालने की विधि ---------- १२८
सूर्योदय साधन का उदाहरण ---------- १२८
स्टैण्डर्ड टाईम को लोकल टाईम बनाने की विधि और उदाहरण ---------- १३०
अक्षांश और देशान्तर बोधक सारणी भारत के समस्त नगरों के लिए ---------- १३१
वेलान्तर सारणी ---------- १४४
ईष्टकाल बनाने के नियम और उदाहरण ---------- १४६
भयात और भभोग साधन ---------- १४८
लग्न निकालने की प्रक्रिया ---------- १५३
पलभा – ज्ञान सारणी ---------- १५०
अयनांश निकालने की विधि और उदाहरण ---------- १५३
लग्नशुद्धि का विचार ---------- १५३
लग्नसारणी ---------- १५४
लग्न निकालने की सुगम विधि ---------- १५६
प्राणपद साधन और उसके द्वारा लग्नशुद्धि ---------- १५७
गुलिक साधन ---------- १५८
गुलिक लग्न का उपयोग ---------- १६०
लग्न के शुद्धाशुद्ध अवगत करने के अन्य उपाय ---------- १६०
नवग्रह स्पष्ट करने की विधि ---------- १६१
सूर्य साधन ---------- १६३
मंगल साधन ---------- १६३
बुध साधन ---------- १६४
चन्द्रस्पष्ट विधि ---------- १६४
चन्द्रगति साधन ---------- १६५
चन्द्रसारणी द्वारा चन्द्र स्पष्ट करने की विधि ---------- १६५
नक्षत्रोंपरि स्पष्ट राश्यादि चन्द्रसारणी ---------- १६६
भयात गत घटी पर चन्द्रसारणी ---------- १६७
सर्वर्क्ष पर गतिबोधक स्पष्ट सारणी ---------- १६७
जन्मपत्री लिखने की प्रक्रिया ---------- १६८
संस्कृत भाषा में जन्मपत्री लिखने की विधि ---------- १६९
द्वादश भाव स्पष्ट करने की विधि ---------- १७०
दशम साधन का उदाहरण ---------- १७२
भुक्तांश साधन द्वारा दशम का उदाहरण ---------- १७३
दशम भाव साधन करने के अन्य नियम ---------- १७३
दशम लग्नसारणी ---------- १७४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

लग्न से दशम भाव साधन सारणी -- १७७
अन्य भाव साधन करने की प्रक्रिया -- १७८
द्वादश भावों के नाम -- १८०
द्वादश भाव स्पष्ट चक्र -- १८१
चलित चक्र अवगत करने का नियम -- १८१
दशवर्ग विचार -- १८२
गृह -- १८२
होरा साधन और उसका उदाहरण-- १८२
द्रेष्काण साधन और उसका उदाहरण -- १८३
सप्तमांश साधन और उसका उदाहरण -- १८४
नवमांश साधन और उसका उदाहरण -- १८५
दसमांश साधन और उदाहरण -- १८७
द्वादमांश साधन और उसका उदाहरण -- १८९
षोडमांश साधन और उसका उदाहरण -- १९०
त्रिशांश साधन और उसका उदाहरण -- १९१
षष्ठयंश साधन और उसका उदाहरण -- १९२
ग्रहों के निसर्ग मैत्री विचार -- १९६
तात्कालिक मैत्री विचार -- १९६
पंचधा मैत्री विचार -- १९६
पारिजातादि विचार -- १९७
कारकांशकुण्डली बनाने की विधि और उदाहरण -- १९७
स्वांशकुण्डली निर्माण की विधि और उदाहरण -- १९८
दशा विचार -- १९८
विंशोत्तरी दशा निकालने की विधि और उदाहरण -- १९९
विंशोत्तरी दशा चक्र -- २०१
अन्तर्दशा निकालने की विधि और उदाहरण -- २०१
चन्द्रमा की अन्तर्दशा में नौ ग्रहों की अन्तर्दशा -- २०२
सूर्यादि नौ ग्रहों के अन्तर्दशा चक्र -- २०३
जन्मपत्री में अन्तर्दशा लिखने की विधि और उदाहरण -- २०४
प्रत्यन्तर दशा विचार -- २०६
सूर्य की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २०६
चन्द्रमा की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २०८
मंगल की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २०९
राहु की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २११
बृहस्पति की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २१२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

शनि की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २१४
बुध की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २१५
केतु की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २१७
शुक्र की दशा के नौ प्रत्यन्तर -- २१८
अष्टोत्तरी दशा विचार -- २२०
अष्टोत्तरी दशा चक्र -- २२१
अष्टोत्तरी अन्तर्दशा साधन --- २२२
अष्टोत्तरी के सूर्यादि अन्तर्दशा चक्र -- २२२
योगिनी दशा साधन -- २२३
योगिनी दशा चक्र -- २२४
योगिनी अन्तर्दशा साधन और चक्र --- २२५
बलविचार --- २२७
उच्चबलसाधन -- २२७
उच्च – नीच राश्यंशबोधक चक्र -- २२८
युग्मायुग्मबल साधन --- २२८
केन्द्रादिबल साधन --- २२९
द्रेष्काणबल साधन -- २३०
सप्तवर्गबल साधन -- २३०
दिग्बल साधन और उदाहरण -- २३१
कालबलसाधन -- २३२
नतोन्नतबलसाधन -- २३२
पक्षबलसाधन -- २३३
दिवारात्रि त्र्यंशबल साधन -- २३४
वर्षशादिबल साधन -- २३४
कलियुगाधहर्गण साधन --- २३४
दिनेश साधन -- २३५
कालहोरेश साधन -- २३५
अयनबल साधन --- २३६
तीन राशि ९० अंशो की भुजा का ध्रुवांक चक्र --- २३६
मध्यम ग्रह बनाने का नियम --- २३८
अहर्गण बनाने का नियम -- २३८
मध्यम सूर्य, शुक्र और बुधसाधन विधि और उदाहण -- २३९
मध्यम चन्द्र साधन --- २३९
मध्यम मंगल साधन -- २३९
मध्यम गुरु साधन -- २३९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मध्यम शनि साधन -- २३९
मध्यम राहु साधन -- २३९
भौमादि ग्रहों का शीघ्रोच्च बनाने का नियम -- २४०
नैसर्गिकबलसाधन -- २४१
दुग्धबल – साधन और उदाहरण --- २४१
ग्रहों के बलाबल का निर्णय -- २४२
अष्टवर्ग विचार -- २४३
रवि, चन्द्रादि की रेखाएँ -- २४३
अष्टवर्गांक फल --- २४७
तृतीयाध्याय
जन्मकुण्डली का फलादेश -- २४९
सूर्यादि नवग्रहों के स्वरुप -- २४९
सूर्यादि ग्रहों के द्वारा विचारणीय विषय --- २५१
द्वादशभाव के कारक ग्रह -- २५२
बल – वृद्धि विचार --- २५२
फलादेश के लिए उपयोगी ग्रहों के छह प्रकार के बल --- २५२
ग्रहों का स्थान बल --- २५३
ग्रहों की दृष्टि -- २५४
ग्रहों के उच्च और मूलत्रिकोण का विचार -- २५४
द्वादशभावों स्थानों का परिचय, विचारणीय बातें आदि --------------------------------------- २५५
फल प्रतिपादन के कतिपय नियम--- २५७
जन्मसमय में मेषादि द्वादश राशियों में नवग्रहों का फल ------------------------------------- २५८
द्वादश भावों में रहनेवाले नवग्रहों का फल --- २६१
उच्चराशिगत ग्रहों का फल--- २६६
मूल त्रिकोण राशि में गये हुए ग्रहों का फल --- २६६
स्वक्षेत्रगत ग्रहों का फल --- २६६
मित्रक्षेत्रगत ग्रहों का फल --- २६७
शत्रुक्षेत्रगत ग्रहों का फल --- २६७
नीच राशिगत ग्रहों का फल --- २६७
नवग्रहों की दृष्टि का फल --- २६७
ग्रहों की युति का फल -- २७२
तीन ग्रहों की युति का फल -- २७४
चार ग्रहों की युति का फल -- २७४
पंचग्रह योग फल --- २७५
षडग्रहयोग फल -- २७६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

द्वादशभाव विचार -- २७६
लग्न विचार --- २७६
राशि संज्ञाएँ -- २७६
उपर्युक्त संज्ञाओं पर से शारीरिक स्थिति ज्ञात करने के नियम ------------------------------ २७७
शरीर के अंगों का विचार --- २७८
कालपुरुष --- २७९
जन्मसमय के वातावरण का परिज्ञान -- २८१
अरिष्ट विचार -- २८१
गण्ड – अरिष्ट --- २८३
अरिष्ट का विशेष विचार -- २८४-२९१
अरिष्टभंग योग -- २९१
जारज योग -- २९२
बधिर योग --- २९३
मूक योग -- २९३
नेत्ररोगी योग -- २९३
सुख विचार -- २९५
साहस विचार -- २९५
नौकरी योग -- २९५
राजयोगादि सत्तावन योग --- २९५
द्वादशभावों में लग्नेश का फल -- ३१९
द्वितीय भाव विचार --- ३२०
धनी योग --- ३२०
दारिद्र योग --- ३२१
बडा व्यापारी और दिवालिया योग -- ३२२
जमींदारी योग --- ३२२
ससुराल से धनप्राप्ति के योग --- ३२३
दरिद्र योग -- ३२३
सुनफा – अनफा योग -- ३२३
धनेश का द्वादश भावों मे फल -- ३२९
तृतीय भाव विचार -- ३२९
भ्रातुसंख्या --- ३३०
अन्य विशेष योग -- ३३१
विशिष्ट विचार --- ३३१
आजीविका विचार --- ३३२
तृतीयेश का द्वादश भावों में फल --- ३३३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

चतुर्थ भाव विचार -- ३३४
कतिपय सुख योग -- ३३५
दुख योग -- ३३५
ईस भाव के विशेष योग -- ३३५
जातक के गोद – दत्तक जाने के योग --- ३३६
मातृ योग विचार -- ३३६
वाहृन विचार -- ३३७
गृहृ विचार --- ३३८
चतुर्देश का द्वादश भावों में फल --- ३३८
पंचम भाव विचार --- ३३९
सन्तान विचार --- ३४०
सन्तान प्रतिबन्धक योग --- ३४१
विलम्ब से सन्तान – प्राप्ति योग -- ३४२
सन्तान – संख्या विचार --- ३४३
पंचम भाव का विशेष विचार -- ३४४
पितृ भाव विचार -- ३४५
बुद्धि विचार -- ३४६
पंचमेश का द्वादश भावों में फल -- ३४६
षष्ठ भाव विचार --- ३४७
रोग विचार -- ३४७
षष्ठेश का दादश भावों में फल -- ३४९
सातवें भाव का विचार --- ३४९
विवाहृ योग --- ३५०
विवाहृ – स्त्री – संख्या विचार --- ३५१
स्त्रीरोग विचार --- ३५२
विवाहृ – समय विचार -- ३५२
स्त्रीमृत्यु विचार -- ३५४
सप्तमेश का द्वादश भावों में फल --- ३५४
अष्टम भाव विचार --- ३५५
दीर्घायु योग -- ३५५
अल्पायु योग --- ३५५
मध्यमायु योग --- ३५६
जैमिनी के मत से आयुविचार --- ३५७
स्पष्टायु साधन का नियम --- ३५८
आयुसाधन की दूसरी प्रक्रिया --- ३५९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

नक्षत्रायु ---------- ३६०
ग्रहरश्मियों द्वारा आयुसाधन ---------- ३६०
लग्नायु साधन ---------- ३६१
केन्द्रायु साधन ---------- ३६१
प्रकारान्तर से नक्षत्रायु ---------- ३६१
ग्रहयोगों पर से आयु विचार ---------- ३६१
अष्टमेश का द्वादश भावों में फल ---------- ३६४
नवम भाव विचार ---------- ३६५
भाग्योदय काल ---------- ३६६
ईस भाव का विशेष फल ---------- ३६६
भाग्येश का द्वादश भावों में फल ---------- ३६८
दशम भाव विचार ---------- ३६९
पितृसुख योग ---------- ३७०
दशम भाव का विशेष विचार ---------- ३७०
दशमेश का द्वादश भावों में फल ---------- ३७२
एकादश भाव विचार ---------- ३७३
द्वादश भावों में लाभेश का फल ---------- ३७४
बारहवें भाव का विचार ---------- ३७४
द्वादश भावों में द्वादशेश का फल ---------- ३७५
द्वादश लग्नों का फल ---------- ३७५
होराफल---------- ३७७
सप्तमांश चक्र का फल विचार ---------- ३७७
नवमांश कुण्डली के फल का विचार ---------- ३७८
द्वादशांश कुण्डली के फल का विचार ---------- ३७८
चन्द्रकुण्डली का फल का विचार ---------- ३७९
विंशोत्तरी दशा का फल विचार ---------- ३७९
रविदशा फल ---------- ३७९
चन्द्रदशा फल ---------- ३८०
भौमदशा फल ---------- ३८०
बुधदशा फल ---------- ३८१
गुरुदशा फल ---------- ३८१
शुक्रदशा फल ---------- ३८१
शनिदशा फल ---------- ३८२
राहुदशा फल ---------- ३८२
केतुदशा फल ---------- ३८३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भावेशों के अनुसार विंशोत्तरी दशा का फल ---------- ३८३
वक्रीग्रह की दशा का फल ---------- ३८४
मार्गीग्रह की दशा का फल ---------- ३८४
नीच और शत्रुक्षत्रीय ग्रह की दशा का फल ---------- ३८४
अन्तर्दशा का फल ---------- ३८४
सूर्य की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३८५
चन्द्र की मदादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३८७
मंगल की महादशा मे सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३८८
राहु की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३९०
गुरु की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३९१
शनि की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३९२
बुध की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३९४
केतु की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३९५
शुक्र की महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर्दशा का फल ---------- ३९६
स्त्रीजातक ---------- ३९७
वैधव्य योग ---------- ३९८
स्त्री के सप्तम स्थान में प्रत्येक ग्रह का फल ---------- ३९८
अल्पापत्या या अनपत्या योग ---------- ३९९
पति के गुण – दोष धोतक योग ---------- ४००
चतुर्थ अध्याय
ताजिक (वर्षफल) ---------- ४०१
वर्षप्रवेश सारणी ---------- ४०३
वर्षप्रवेश की तिथि का साधन ---------- ४०४
वर्षप्रवेश के तिथि, नक्षत्र, वार आदि जानने की एक सरल विधि ---------- ४०४
मुन्था साधन ---------- ४०६
मुन्था साधन का अन्य नियम ---------- ४०७
वर्षकुण्डली के भाव स्पष्ट---------- ४०७
ताजिक मित्रादि संज्ञा ---------- ४११
पंचवर्ग ---------- ४११
हद्दासाधन ---------- ४११
उच्चबल साधन ---------- ४१३
सारणी द्वारा उच्चबल साधन ---------- ४१३
पंचवर्गी बल साधन ---------- ४१४
सूर्य – उच्चबल सारणी ---------- ४१६
चन्द्र – उच्चबल सारणी ---------- ४१८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भौम – उच्चबल सारणी ---------- ४२०
बुध – उच्चबल सारणी ---------- ४२२
गुरु – उच्चबल सारणी ---------- ४२४
शुक्र – उच्चबल सारणी ---------- ४२६
शनि – उच्चबल सारणी ---------- ४२८
हद्दाबल ---------- ४३०
द्रेष्काणबल ---------- ४३०
नवमांशबल ---------- ४३०
बलीग्रह का निर्णय ---------- ४३०
पंचाधिकारी ---------- ४३०
त्रिराशिपति विचार ---------- ४३०
ताजिक शास्त्रानुसार ग्रहों की दृष्टि ---------- ४३१
बलवती दृष्टि और विशेष दृष्टि ---------- ४३२
दीप्तांश ---------- ४३२
वर्षेश का निर्णय ---------- ४३२
चन्द्रवर्षेश का निर्णय ---------- ४३३
हर्षबल साधन ---------- ४३३
षोडश योगों का फल सहित लक्षण ---------- ४३४
सहम साधन और सहम संस्कार ---------- ४३७
पुण्यसहम का साधन और उदाहरण ---------- ४३७
गुरु और विधा सहम का साधन और उदाहरण ---------- ४३७
यश, मित्र, आशा, राज या पिता, माता, कर्म, प्रसूति सहम का साधन ---------- ४३८
शत्रु, बन्धन, भ्रातृ, पुत्र, विवाह, व्यापार, रोग, मृत्यु, यात्रा सहम का साधन ---------- ४३८
धन सहम का साधन ---------- ४४०
विंशोत्तरी मुद्दादशा का साधन और उदाहरण ---------- ४४०
योगिनी मुद्दादशा का साधन और उदाहरण ---------- ४४३
मासप्रवेश साधन और उदाहरण ---------- ४४३
मासप्रवेश और दिनप्रवेश निकालने की अन्य विधि ---------- ४४५
पंचांग से मासप्रवेश की घटी लाने की रीति ---------- ४४५
सारणी पर से मासप्रवेश का ज्ञान ---------- ४४६
मासप्रवेश सारणी ---------- ४४७
वर्षेश का फल ---------- ४४९
मुन्थाफल ---------- ४५०
वर्ष – अरिष्ट – योग ---------- ४५१
वर्ष में धन प्राप्ति का विचार ---------- ४५१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

वर्ष में स्वास्थय विचार -- ४५२
सहम फल -- ४५२
रोग सहम का फल --- ४५३
वर्ष का विशेष फल --- ४५३
मासाधिपति का निर्णय और मासफल --- ४५३
पंचम अध्याय
मेलापक, मुहूर्त और प्रश्न --- ४५६
सौभाग्य विचार --- ४५७
वर – कन्या की कुण्डली मिलाने के अन्य नियम -- ४५७
वर्ण जानने की विधि और वर्ण के गुणानयन --- ४५९
वश्य जानने की विधि और उसके गुणानयन --- ४५९
तारा विचार और उसके गुणानयन -- ४६०
योनिज्ञान विधि और गुणानयन -- ४६१
योनि वैर ज्ञान विधि --- ४६१
ग्रहमैत्री और उसके गुणानयन -- ४६३
गण और उसके गुणानयन --- ४६३
भकूट और उसके गुणानयन --- ४६४
नाडी और उसके गुणानयन -- ४६५
वर्ण – गण – योनि आदि बोधक शतपद चक्र -- ४६६
मुहूर्त विचार -- ४६७
सूतिका स्नान मुहूर्त -- ४६७
स्तनपान मुहूर्त --- ४६७
जातकर्म और नामकर्म मुहूर्त --- ४६८
दोलारोहण मुहूर्त --- ४६८
भूभ्यपवेशन मुहूर्त -- ४६८
बालक को बाहर निकालने का मुहूर्त --- ४६८
अन्नप्राशन के लिए लग्न शुद्धि -- ४६९
कर्णवेध मुहूर्त -- ४६९
चूडाकर्म (मुण्डन) का मुहूर्त -- ४७०
अक्षराम्भ मुहूर्त --- ४७०
विधारम्भ मुहूर्त --- ४७१
वाग्दान मुहूर्त -- ४७१
विवाह मुहूर्त -- ४७१
गुरुबल, सूर्यबल विचार -- ४७१
चन्द्रबल विचार --- ४७२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

विवाह में अन्धादि लग्न और उनका फल -- ४७२
विवाह के शुभ लग्न -- ४७२
लग्नशुद्धि -- ४७२
ग्रहों का बल -- ४७२
वधू प्रवेश मुहूर्त -- ४७३
द्विरागमन मुहूर्त -- ४७३
यात्रा मुहूर्त --- ४७३
वारशूल और नक्षत्रशूल -- ४७४
चन्द्रवास विचार और फल -- ४७४
गृहारम्भ मुहूर्त -- ४७५
नींव खोदने के लिए दिशा का विचार --- ४७५
गृहारम्भ में वृष वास्तु चक्र --- ४७६
गृहारम्भ विचार --- ४७७
घर के लिए दरवाजे का विचार --- ४७७
गृहारम्भ में निषिद्ध काल --- ४७८
गृह की आयु -- ४७८
पिण्डसाधन तथा आय – व्यय – आयु आदि विचार --- ४७९
चक्र का विवरण -- ४७९
गृहनिर्माण के लिए सप्तसकार योग --- ४८०
शल्य शोधन -- ४८१
नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त -- ४८२
जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त -- ४८३
शान्तिक और पौष्टिक कार्य का मुहूर्त -- ४८३
कुआँ खुदवाने का मुहुर्त -- ४८३
दुकान करने का मुहूर्त --- ४८४
बडे – बडे व्यापार करने का मुहूर्त -- ४८४
राजा से मिलने का मुहूर्त -- ४८४
बगीचा लगाने, रोगमुक्त होने पर स्नान करने, नौकरी करने, औषध बनाने एवं मुकदमा
दायर करने का मुहूर्त -- ४८५
मण्डप बनाने का मुहूर्त -- ४८७
होमाहुति का मुहूर्त -- ४८७
अग्निवास और उसका फल -- ४८७
प्रश्नविचार -- ४८८
रोगों के स्वस्थ, अस्वस्थ होने के प्रस्न का विचार -- ४८८
नक्षत्रानुसार रोगी के रोग की अवधि का ज्ञान -- ४८९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

शीघ्र मृत्यु योग -- ४८९
चोरज्ञान -- ४८९
प्रश्नलग्नानुसार चोर और चोरी की वस्तु का विचार -- ४९०
वर्गानुसार चोर और चोरी की वस्तु का विचार --- ४९२
नक्षत्रानुसार चोरी गयी वस्तु की प्राप्ति का विचार --- ४९४
प्रवासी प्रश्न विचार -- ४९४
सन्तान सम्बन्धी प्रश्न -- ४९५
लाभालाभ प्रश्न -- ४९६
वाद – विवाद या मुकदमे का प्रश्न -- ४९६
भोजन सम्बन्धी प्रश्न -- ४९६
विवाह प्रश्न -- ४९८
कार्यसिद्धि – असिद्धि प्रश्न -- ४९९
गर्भस्थ सन्तान पुत्र है, या पुत्री का विचार -- ४९९
मूक प्रश्न विचार -- ५००
मुष्टिका प्रस्न विचार -- ५०१
केरल मतानुसार प्रश्न विचार -- ५०१
जय – पराजय प्रश्न -- ५०२
सुख – दुख, गमनागमन, जीवन मरण के प्रश्नों का विचार ---------------------------------- ५०३
वर्षा प्रश्न --- ५०३
गर्भ का प्रश्न -- ५०३
कार्यसिद्धि की समय – मर्यादा -- ५०४
विवाह प्रश्न -- ५०४
चमत्कार प्रश्न -- ५०४
उपसंहार -- ५०५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org